राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1408

03 जुलाई, 2019 को उत्तर के लिए

गर्म धातु के उत्पादन के दौरान कार्बन डाईऑक्साइड का उत्सर्जन

1408. श्री माजीद मेमनः

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि ब्लास्ट फरनेस में प्रत्येक टन गर्म धातु उत्पादन के दौरान औसतन दो टन कार्बन डाईऑक्साइड का उत्सर्जन होता है; और

(ख) यदि हां, तो सरकार द्वारा कार्बन के उत्सर्जन को नियंत्रित करने और उत्पादन की लागत को कम करने के लिए क्या-क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

इस्पात मंत्री **(श्री धर्मेंद्र प्रधान)**

(क): जी हाँ। ब्लास्ट फर्नेस रूट के जरिए एक टन गर्म धातु उत्पादन के दौरान लगभग औसतन दो टन कार्बन डाईऑक्साइड का उत्सर्जन होता है। गर्म धातु उत्पादन हेतु ब्लास्ट फर्नेस रूट से CO_2 का उत्सर्जन ब्लास्ट फर्नेस, कोक ओवन और सिंटर/पैलेट प्लांट से होता है।

(ख): चूंकि लौह और इस्पात एक नियंत्रणमुक्त क्षेत्र है, अतः उत्पादन लागत को कम करने और ब्लास्ट फर्नेस की उत्पादकता को बढ़ाने संबंधी निर्णय प्रौद्योगिकी-आर्थिक सोच-विचारों/बाध्यताओं पर आधारित होते हैं, जिसके परिणामस्वरूप कार्बन उत्सर्जन पर प्रभाव पड़ता है। कार्बन उत्सर्जन का ब्लास्ट फर्नेस में ऊर्जा खपत से सीधा संबंध हैं, जोकि इस्तेमाल किए गए इनपुट, इनपुट सामग्री अनुपात से जुड़ा हुआ है और जिससे ब्लास्ट फर्नेस की उत्पादकता प्रभावित होती है। एकीकृत इस्पात पीएसयू उत्पादन लागत और कार्बन उत्सर्जन को कम करने के उद्देश्य से अपने प्रौद्योगिकी-आर्थिक पैरामीटर्स को निरंतर उन्नत करते रहते हैं।

****